महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी- पुरस्कार वितरण समारोह में भाषण

स्थान:- भोपाल दिनांक:- 08 जनवरी,12 समय:- शाम 5 बजे

गुलाब को फूलों की दुनिया में राजा का दर्जा प्राप्त है। सुदूर अतीत से ही गुलाब को सौन्दर्य का मापदंड और प्रेम के प्रदर्शन का माध्यम माना जाता रहा है। गुलाब परिष्कृत अभिरूचि का प्रतीक है। घर आंगन के गुलाब जहां व्यक्ति को मानसिक सुख-शांति और आंखों को शीतलता प्रदान करते हैं वहीं गुलाब की खेती पूरक आय का एक सशक्त जरिया है। यह एक ऐसा फूल है जो भेंट देने के लिए सर्वाधिक उपयोग में लाया जाता है। इसका अर्क सौन्दर्य और प्रसाधन सामग्रियों में अर्से से उपयोग होता आया है। वर्तमान में गुलाब को कुछ रोगों के उपचार में भी प्रयोग किया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिक औषधीय गुलाबों की किस्में विकसित करने के लिए निरंतर अनुसंधान कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में भी फूलों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है।

मध्यप्रदेश को 11 कृषि जलवायु क्षेत्र में वर्गीकृत किया गया है। विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में लगभग सभी प्रकार की उद्यानिकी फसलों के व्यवसायिक उत्पादन करने की अपार सम्भावनायें हैं। वर्तमान में उद्यानिकी फसलों के अन्तर्गत साढ़े छः लाख हैक्टर क्षेत्रफल हैं। योजना आयोग की अनुशंसा के अनुसार प्रदेश में 26 लाख हैक्टर क्षेत्र में उद्यानिक फसलों का उत्पादन लिया जाना चाहिये। प्रदेश शासन की केन्द्र शासन के सहयोग से विभिन्न योजनायें संचालित की जा रही हैं। उद्यानिकी मिशन फरवरी 2005 से प्रारम्भ किया गया है। साथ ही जल के समुचित उपयोग हेतु माइक्रो इरीगेशन योजना भी आरम्भ की गई है। उद्यानिकी फसलों के उत्पादन से किसान भाई सीमित क्षेत्र में अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

इसी सम्भावनाओं को देखते हुये सरकार द्वारा खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा दिया जा रहा है। गुणवत्ता सुधार एवं उत्पाद संरक्षण हेतु उद्यानिकी की परिकल्पना को मूर्तरूप दिये जाने के प्रयास जारी हैं।

कृषि प्रधान देश में कृषकों की आर्थिक सामाजिक उन्नति के बिना विकास के बारे में सोचना बेमानी है। अतः हमें ऐसी संरचना तैयार करना है कि ग्रामीण युवा अपने क्षेत्र में ही उपयुक्त रोजगार प्राप्त कर

सकें। इस लिहाज से फूलों की खेती भी एक अच्छा माध्यम है। मात्र एक हैक्टर में ही गुलाब की खेती कर बीस हजार रूपये से पचास हजार रूपये तक की आमदनी प्राप्त की जा सकती है। इसी तरह फूलों की उत्तम गुणवत्ता एवं अधिक उत्पादन के लिये संरक्षित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

वर्तमान में प्रदेश में फूलों का उत्पादन 5800 हेक्टेयर में होता है, जबकि जलवायु की अनुकूलता होने से इसकी क्षेत्र वृद्धि की असीम सम्भावनाएं हैं। जिसको दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन एवं भारत शासन की योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

मुझे उम्मीद है कि आमजनों के बीच उद्यानिकी के प्रति अभिरूचि बढ़ाने के लिए ऐसे पुष्प प्रदर्शन आयोजित किये जाते रहेंगे। इस प्रदर्शन में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किये जाने वाले गुलाबों से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं को मैं बधाई देना चाहता हूं और उम्मीद है कि वे अपने आसपास अभिरूचि और अतिरिक्त आय के लिए उद्यानिकी फसलों का प्रचार प्रसार करेंगे।

जय हिन्द।